दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 98 | ग्वालियर, बुधवार, 08 अप्रैल 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

भाग गया था आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कोरोना पॉजिटिव जमाती, अब पकड़ा गया

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड से भागे कोरोना पॉजिटिव जमाती को पुलिस ने पकड़ लिया है। निजामुद्दीन मरकज से लौटा जमाती कोरोना संक्रमित पाया गया था। इसके बाद उसे इलाज के लिए जिले के एक अस्पताल में भर्ती किया गया था। यहां से वह चादर के सहारे खिड़की से कूदकर भाग निकला। कोरोना पॉजिटिव जमाती के आइसोलेशन वार्ड से भागने के बाद पुलिस और स्वास्थ्य महकमा में हडकंप मच गया। इस खबर की सूचना पुलिस के आला अधिकारियों को दी गई। इसके बाद पुलिस ने जमाती की खोजबीन शुरू कर दी और जल्द ही उसे पकड़ लिया गया।

दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में देश-विदेश के जमाती जुटे थे। वहां नेपाल के रहने वाले 37 जमाती भी आए थे। दिल्ली से ये लोग किसी तरह बागपत पहुंच गए। जमातियों में कोरोना के मामले आने शुरू हुए तो देश के अलग-अलग हिस्सों में इनकी पहचान की प्रक्रिया शुरू हुई। इसी दौरान ये सभी बागपत में मिले। जिला प्रशासन ने सभी को बालैनी में श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज में बनाए गए क्वारंटाइन सेंटर में भर्ती कर दिया। यहां पर एक जमाती की तबीयत खराब हो गई थी। बाद में जांच में वह कोरोना पॉजिटिव पाया गया। जमाती में कोरोना की पुष्टि हो जाने के बाद चार अप्रैल की रात में उसे खेकड़ा में सीएचसी पर बनाए गए कोविड-19 अस्पताल में भर्ती कराया गाय था। यहीं से संक्रमित जमाती सोमवार की रात खिड़की तोड़कर चादर का सहारा लेकर फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने अब पकड़ लिया है।

दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान को किया गया बंद, अस्पताल के 18 स्वास्थ्य कर्मियों में हुई है कोरोना की पुष्टि

नई दिल्ली। दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान को दो डॉक्टरों सहित 18 स्वास्थ्य कर्मियों में कोरोना वायरस टेस्ट पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्पताल को अब बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही अस्पताल में भर्ती 19 कैंसर रोगियों को दूसरे निजी अस्पतालों में शिफ्ट किया जा रहा है। डीएससीआई के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी.एल. शेरवाल ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि एहतियात के तौर पर हमने सैनेटाइजेशन के लिए अस्पताल की विभिन्न सुविधाओं को बंद कर दिया है। इसके साथ ही हम अपने यहां इलाज के लिए भर्ती 19 कैंसर रोगियों को दूसरे निजी अस्पतालों में शिफ्ट करने की व्यवस्था कर रहे हैं। इस संबंध में धर्मशिला सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल से बात चल रही है। हालांकि, इन कैंसर रोगियों को किसी अन्य अस्पताल में भेजने से पहले हम उनका कोविड-19 टेस्ट कर रहे हैं, क्योंकि कैंसर रोगियों में प्रतिरोधी क्षमता कम होती है, इसलिए इनके जल्द संक्रमित होने का खतरा अधिक होता है। वे बहुत आसानी से संक्रमण को पकड़ लेते हैं। अगर उनकी कोरोना टेस्ट रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो हम इन मरीजों को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करेंगे।

प्राथमिकता के आधार पर प्रत्यारोपण- नाबालिग बेटी पिता को अंगदान नहीं कर सकती, दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। जिंदगी और मौत से जूझ रहे अपने पिता को बचाने के लिए नाबालिग बेटी अंगदान नहीं कर सकती है, क्योंकि इससे उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को–स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि 'यदि नाबालिग अपना लिवर दान करती है तो उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जस्टिस संजीव सचदेवा ने नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन को अंशिता के पिता के स्वास्थ्य का आंकलन करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने ऑर्गनाइजेशन को जल्द से जल्द उनके लिवर का प्रत्यारोपण का प्रबंधन करने का निर्देश दिया है। **प्राथमिकता के आधार पर प्रत्यारोपण**– न्यायालय ने कहा है कि यदि किसी मृत व्यक्ति का अंग मिलता है तो प्राथमिकता आधार पर प्रत्यारोपित किया जाए। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को इसके लिए अपने पिता के इलाज से जुड़े सभी दस्तावेज नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन को भेजने का निर्देश दिया है।

मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया था– शुक्रवार को दिल्ली सरकार की ओर से अधिवक्ता नौशाद अहमद खान ने उच्च न्यायालय को बताया था कि मेडिकल बोर्ड ने कहा है कि याचिकाकर्ता यदि लिवर का दान करती है तो उसके जीवन पर कम समय या लंबे समय तक के लिए शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर रह सकता है। उच्च न्यायालय ने एक अप्रैल को पिता को अंगदान करने के लिए कानूनी लड़ रही अंशिता की मेडिकल जांच करने के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन का आदेश दिया था।

लोगों के द्वारा निर्देशों के पालन पर निर्भर करेगा कि लॉकडाउन हटेगा या नहीं: ठाकरे-महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा था कि राज्य में लॉकडाउन 14 अप्रैल के बाद हटेगा या नहीं, यह लोगों द्वारा सरकारी निर्देशों के अनुपालन पर निर्भर करेगा। हालांकि उन्होंने इतना साफ कर दिया था कि महाराष्ट्र में राजनीतिक, धार्मिक या खेलकूद से जुड़े कार्यक्रमों की अगले नोटिस तक इजाजत नहीं होगी, ताकि कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर लोगों का आपस में मिलना-जुलना न हो। मुख्यमंत्री ने उन लोगों को भी कड़ी कार्रवाई चेतावनी दी थी जो सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी संदेश फैलाते हैं।

कोरोना संकटः राज्यों के अनुरोध के बाद

केंद्र सरकार कर रही है लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने पर विचार

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप और राज्यों से किए गए अनुरोध को देखते हुए केंद्र सरकार लॉकडाउन को बढ़ाने पर विचार कर रही है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सरकार के सूत्रों के हवाले से जानकारी दी कि कई राज्य सरकारों और विशेषज्ञों ने केंद्र सरकार से लॉकडाउन को बढ़ाने की मांग की है। यही वजह है कि सरका इस दिशा में विचार कर रही है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के बढ़ते

संक्रमण को देखते हुए पूरे देश में 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा की है, जिसकी अंतिम तारीख 14 अप्रैल है। लोग इस बात को लेकर काफी उत्सुक हैं कि क्या 14 अप्रैल के बाद देश में स्थिति सामान्य हो जाएगी? लोग अपने घरों से बाहर निकल सकेंगे? क्या इस पाबंदी को हटा लिया जाएगा?। मगर फिलहाल जो खबर आई है, उसमें यह संकेत मिल रहा है कि केंद्र सरकार लॉकडाउन को आगे बढ़ा सकती है, जिस पर विचार किया जा रहा है। दरअसल, सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यस से कैबिनेट की बैठक हुई थी, इस बैठक के बाद जब केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से पूछा गया कि क्या 15 अप्रैल से देश में लॉकडाउन हट जाएगा तो उन्होंने कहा कि देशहित में जो भी फैसला होगा वह सही समय पर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम वैश्विक स्थित पर भी लगातार नजर बनाए हुए हैं। वहीं, देश के कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने लॉकडाउन को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की है।

15 अप्रैल से लॉकडाउन खुलता है तो हालात बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे: सीएम योगी– इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अगर 15 अप्रैल से लॉकडाउन खुलता है तो हालात बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे। ऐसे में चरणबद्ध तरीके से इसे खोले जाने की योजना बनाएं। यूपी सरकार 14 अप्रैल के बाद लॉकडाउन हटने की सूरत में कई बन्दिशें बरकरार रखेगी। इसका मकसद अफ़रातफ़री को रोकना व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का है। वहीं, आज उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कहा कि अभी इस बारे में बोलना जल्दबाजी होगी।

भारत में कोरोना वायरस की स्थिति

पूरी दुनिया में कहर मचाने वाले खतरनाक कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच भारत में पिछले 12 घंटों में कोरोना की धमीरपतार देखने को मिली है। देशभर में पिछले 12 घंटे में 140 नए केस सामने आए हैं, जिससे मंगलवार को यह आंकड़ा बढ़कर 4421 हो गया। वहीं, इस खतरनाक कोविड-19 महामारी से अब तक देशभर में जहां 114 लोग जान गंवा चुके हैं और 325 लोग पूरी तरह से ठीक हो गए हैं या फिर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार सुबह 9 बजे तक के अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस के कुल 4421 मामलों में से 3981 केस एक्टिव हैं। महाराष्ट्र जहां 849 मामलों के साथ इस तालिका में टॉप पर है।

कोरोना संकट के बीच भारत का बड़ा कदम, हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा के निर्यात से हटा बैन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के मरीजों के लिए कारगर माने जा रहे एंटी मलेरिया दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को लेकर भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। भारत ने एंटी मलेरिया दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के निर्यात से आंशिक तौर पर बैन हटा दिया है। भारत ने कहा कि घरेलू जरूरतों का हिसाब लगाने के बाद ही कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित देशों की मांग पर हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा की आपूर्ति को लेकर फैसला लिया जाएगा। यानी अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि किस देश को कितनी आपूर्ति की जाएगी। यह जानकारी इस मामले से जुड़े लोगों ने दी। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन कर हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा की आपूर्ति की गुहार लगाई है।

कोरोना से लड़ने और देश को आर्थिक संकट से उबारने को

सोनिया गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी को दिए सुझाव

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो पेज का एक पत्र लिखकर कोरोना से लड़ाई में आगे सरकार को क्या करना चाहिए, इस पर पांच सुझाव दिए हैं। प्रधानमंत्री ने सोमवार को विपक्षी नेताओं से फोन पर बात करके उनसे सुझाव मांगे थे। सोनिया गांधी ने सांसदों का वेतन कम करने के फैसले का समर्थन करते हुए सरकार से विज्ञापन पर खर्च सीमित करने, सेंट्रल दिल्ली में नई संसद और दूसरे भवनों के निर्माण की योजना को टालने, सरकार के खर्चे में 30 परसेंट कटौती करके वो पैसे मजदूरों, किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने, मंत्रियों और अधिकारियों की फिजूल विदेश यात्रा पर पीएम द्वारा रोक लगाने और पीएम केयर्स फंड में मिले पैसों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में ट्रांसफर करने का सुझाव दिया है। सांसदों का वेतन 30 प्रतिशत

कम करने के केंद्रीय मंत्रीमंडल के निर्णय का हम समर्थन करते हैं। कोविड-19 की महामारी के खिलाफ लड़ने के लिए फंड एकत्रित करने में सादा व अतिसंयमित खर्च आज के समय की मांग है। इसी सकारात्मक भावना से मैं आपको पांच ठोस सुझाव देती हूँ। मुझे विश्वास है कि आप इन्हें लागू करेंगे। सरकार एवं सरकारी उपक्रमों द्वारा मीडिया विज्ञापनों- टेलीविज़न, प्रिंट एवं ऑनलाईन विज्ञापनों पर दो साल के लिए रोक लगा यह पैसा कोरोनावायरस से उत्पन्न हुए संकट से जूझने में लगाया जाए। केवल कोविड-19 बारे एडवाईज़री या स्वास्थ्य से संबंधित विज्ञापन ही इस बंदिश से बाहर रखे जाएं। केंद्र सरकार मीडिया विज्ञापनों पर हर साल लगभग 1,250 करोड़ रु. खर्च करती है। इसके अलावा सरकारी उपक्रमों एवं सरकारी कंपनियों द्वारा विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली सालाना राशि इससे भी अधिक है। सरकार के इस प्रयास से कोरोना वायरस द्वारा हुए अर्थव्यवस्था व समाज को होने वाले नुकसान की भरपाई में एक बड़ी राशि जुटाने में मदद मिलेगी।

लॉकडाउनः कोरोना से बचाने को भीड़ हटाने गई पुलिस

20 लोगों ने चाकू-डंडों से कर दिया हमला

भोपाल। कोरोना वायरस संक्रमण के एक मरीज के संपर्क में आये लोगों का पता लगा रहे स्वास्थ्य कर्मियों के दल पर इंदौर में हुई पथराव की बहुचर्चित घटना के बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लॉकडाउन (बंद) के दौरान भीड़ को हटाने गई पुलिस पर कथित रूप से हिस्ट्रीशीटरों सहित करीब 20 लोगों ने चाकुओं एवं डंडों से हमला कर दिया, जिससे दो पुलिसकर्मी घायल हो गये हैं। इन दोनों पुलिसकर्मियों पर चाकू से वार किया गया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दिन-रात एक कर जनता को इस महामारी से बचाने में लगे पुलिसकर्मियों पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इन गुंडों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। तलैया पुलिस थाना प्रभारी डी पी सिंह ने मंगलवार को भाषा को बताया, भोपाल में लागू संपूर्ण बंद के कारण सोमवार रात करीब 10 बजे चार-पांच पुलिसकर्मी तलैया थानांतर्गत इस्लामनगर में भीड़ को हटाने पहुंचे। जैसे ही पुलिस ने भीड़ को हटने को कहा, तभी वहां मौजूद दो हिस्ट्रीशीटरों शाहिद कबूतर एवं मोहसिन कचौड़ी सहित करीब 20 लोगों ने चाकुओं, डंडों एवं पत्थरों से पुलिस दल पर हमला कर दिया। इस घटना में दो पुलिसकर्मी लक्ष्मण यादव एवं सतीश कुमार घायल हो गए। उन्होंने कहा, इन दोनों पुलिसकर्मियों पर चाकू से वार किया गया है।

कोरोना फाइटर्स बनकर नगर/ग्राम रक्षा समिति जिला ग्वालियर के सदस्यों द्वारा पुलिस प्रशासन का सुरक्षा व्यवस्था मे नि :स्वार्थभाव के योगदान

ग्वालियर। श्रीमान डी.जी.पी. महोदय म.प्र. पुलिस भोपाल के आदेशानुसार व ग्वालियर पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन जी, अतरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर पूर्व व सामुदायिक पुलिसिंग (नगर/ग्राम रक्षा समिति) नोडल अधिकारी श्रीमती सुमन गुर्जर जी, पुलिस लाइन प्रभारी श्री दांगी जी, समस्त अतरिक्त पुलिस अधीक्षक, समस्त नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे ग्वालियर जिले के समस्त थानो मे कार्यरत सदस्यों द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी के आदेश पर पुलिस प्रशासन द्वारा दिनांक 22 मार्च 2020 को जनता कर्फ्यू और उसके बाद दिनांक 25 मार्च 2020 से 14 अप्रैल 2020 तक सम्पूर्ण भारत के लॉक डाउन मे नगर/ग्राम रक्षा समिति ग्वालियर के सदस्यों द्वारा अपने-अपने थाना स्तर पर थाना प्रभारीयो व थाना

कैप्टन के मार्गदर्शन मे जिसमें मुख्यरूप से थाना माधौगंज, थाना जनकगंज, थाना गोला का मंदिर, थाना मुरार, थाना थाटीपुर, थाना हजीरा, थाना ग्वालियर, थाना झांसी रोड, थाना बहोड़ापुर, थाना इंदरगंज, थाना तिघरा, थाना डबरा, थाना डबरा देहात, थाना उटिला आदि द्वारा लगातार दिन रात अपने घर परिवार को छोड़कर, बिना किसी डर के साथ, बिना किसी मानदेय के पुलिस प्रशासन का सुरक्षा व्यवस्था मे सहयोग कर रहे है! यह सभी सदस्य चाहे वह शहर थाना क्षेत्र मे कार्यरत है या देहात थाना क्षेत्र मे सभी पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्य का पालन कर रहे है! यह सभी सदस्य कोरोना फाइटर्स के रूप मे अपनी भूमिका बहुत अच्छी तरह से निभा रहे है! इनके इस सराहनीय कार्य के लिये हम इनके बहुत आभारी है! इनके साथ ही नगर/ग्राम रक्षा समिति जिले के पदाधिकारीगण भी लगातार मोनिटरिंग कर रहे है जिसमें मुख्य रूप से डॉ. राजकुमार दत्ता (संयोजक सामुदायिक पुलिसिंग)।

संतोष राठौर (जिला संयोजक)

विनय जैन वरिष्ठ सदस्य, भूपेन्द्र सिंह तोमर जिला समन्वयक व मीडिया प्रभारी, जय सिंह सेंगर, आर. के. गुर्जर, वीरेन्द्र पाल, प्रेमवती माहौर, अरविन्द्र कुशवाह, राजेन्द्र गौड़, सरदार अवतार सिंह, विजय ओझा, मनीष जैशवानी, श्याम मुदगल थाना संयोजकों की विशेष भूमिका रही है!

कोरोना की जंग को हमें हर हाल में जितना है।

नाबालिग बेटी पिता को अंगदान नहीं कर सकती, दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। जिंदगी और मौत से जूझ रहे अपने पिता को बचाने के लिए नाबालिग बेटी अंगदान नहीं कर सकती है, क्योंकि इससे उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नाकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि 'यदि नाबालिग अपना लिवर दान करती है तो उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जस्टिस संजीव सचदेवा ने नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन को अंशिता के पिता के स्वास्थ्य का आंकलन करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने ऑर्गनाइजेशन को जल्द से जल्द उनके लिवर का प्रत्यारोपण का प्रबंधन करने का निर्देश दिया है।

तबलीगी जमात में शामिल हुए महाराष्ट्र के 1400 लोगों में से

50 अभी भी लापता, गृह मंत्री बोले- मोबाइल भी कर दिए हैं बंद

मुम्बई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के निजामुद्दीन (पश्चिम) में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए राज्य के 1400 लोगों में से 50 ने सरकार से अब तक कोई सम्पर्क नहीं किया है। देशमुख ने सामने ना आने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए इनसे स्वयं राज्य सरकार अधिकारियों से सम्पर्क करने को कहा।उन्होंने कहा कि अधिकारियों से संपर्क करने पर राज्य सरकार ऐसे लोगों को पृथक रखेगी और उनकी देखभाल करेगी। देखमुख ने कहा कि पिछले महीने आयोजित तबलीगी जमात के इस कार्यक्रम में करीब 4,000 लोगों ने हिस्सा लिया

मंगलवार को मिले 23 नए मामले

महाराष्ट्र में मंगलवार को 23 और लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या 891 पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि इन 23 नए मामलों में से 10 मामले मुंबई से, चार पुणे से, तीन अहमदनगर से, बुल्ढाणा और नागपुर से दो-दो मामले और सांगली और ठाणे से एक-एक मामला सामने आया है। राज्य में अब तक 52 लोगों की इस बीमारी के चलते मौत हो चुकी है।

था, जिनमें से कई कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और कई की तो जान भी चली गई है। महाराष्ट्र से इस कार्यक्रम में 1400 लोगों ने हिस्सा लिया था। देखमुख ने कहा कि इनमें से 1350 लोगों को पता लगाकर उन्हें पृथक कर दिया गया है। उन्होंने कहा, बाकी बचे 50 लोगों के मोबाइल अब भी बंद हैं। इसलिए हम उनसे खुद सरकार से सम्पर्क करने का आग्रह करते हैं। राकांपा नेता ने कहा कि पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करें और राज्य सरकार के साथ सहयोग करें। अगर ऐसा नहीं किया तो हम उनका पता लगाएंगे और फिर आत्मसमर्पण ना करने के लिए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्गों के लिए घातक कोरोना वायरस को दिल्ली में 82 साल के मनमोहन सिंह ने हराया

नई दिल्ली। बुजुर्गों के लिए बेहद खतरनाक कोरोना वायरस को दिल्ली में 82 साल के एक बुजुर्ग ने हरा दिया है। लोक नायक जयप्रकाश नारायण हॉस्पिटल में मनमोहन सिंह नाम के इस मरीज ने कोरोना वायरस के खिलाफ जंग जीत ली है। वह पूरी तरह ठीक हो गए हैं। हालांकि, अभी उन्हें डिस्चार्ज नहीं किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अब तक के आंकड़ों के आधार पर बताया है कि कोरोना वायरस की वजह से जान गंवाने वाले लोगों में से 63 फीसदी मरीज 60 वर्ष से अधिक के हैं। हालांकि, मरीजों की संख्या में इनकी हिस्सेदारी 19 पर्सेंट ही है, लेकिन मृतकों में बुजुर्गों की संख्या अधिक है। इसके अलावा जान गंवाने वालों में 80 फीसदी ऐसे लोग हैं जो पहले से किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से ग्रस्त थे।

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

संपादकीय

संक्रमण का दायरा

कोरोना का चक्र तोड़ने के लिए जरूरी है कि लोग परस्पर मेलजोल न बढ़ाएं, घरों में ही बंद रहें। इसके अलावा तेजी से जांच हो, संक्रमितों की पहचान हो और उन्हें चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। मगर अनेक जगहों से शिकायतें मिल रही हैं कि जांच की प्रक्रिया अपेक्षित गति से नहीं चल पा रही है, जिसके चलते संक्रमितों की पहचान नहीं हो पा रही और वे संक्रमण फैला रहे हैं। स्वास्थ्य केंद्रों पर जरूरी सुरक्षा उपकरण और साजो-सामान उपलब्ध न हो पाने की शिकायतें भी आ रही हैं। देश में कोरोना विषाणु के बढ़ते संक्रमण को लेकर चिंता स्वाभाविक है। हालांकि सरकार ने समय रहते पूर्ण बंदी का एलान कर दिया था और लोगों ने काफी हद तक अनुशासन पूर्वक उसका पालन भी शुरू कर दिया। इसी वजह से प्रारंभिक चरण में कोरोना के संक्रमण में तेजी नहीं देखी गई। मगर कई जगह लोगों ने जरूरी सामान की खरीद के लिए इस हिदायत का पालन नहीं किया, तो श्रमिकों के बड़ी संख्या में पलायन से भी यह खतरा फैलने की आशंका बढ़ गई। फिर निजामुद्दीन में जमा तबलीगी जमात के लोगों में बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण पाए जाने और उनके देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों में पहुंच जाने से इस संक्रमण के चक्र को तोड़ने में मदद नहीं मिल पाई। अब स्थिति है कि संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और इस पर जल्दी काबू पाना चुनौती बन गया है। हालांकि केंद्र और राज्य सरकारें इस मामले में हर संभव प्रयास कर रही हैं और संक्रमितों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करने और चिकित्सा उपलब्ध कराने के प्रयास हो रहे हैं, पर आशंकाएं अभी थमी नहीं हैं। केंद्र ने राज्यों को राहत पैकेज की घोषणा भी कर दी है, पर वह पर्याप्त नहीं माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में मुख्यमंत्रियों ने अपने हिस्से के धन की मांग भी रखी। कोरोना का चक्र तोड़ने के लिए जरूरी है कि लोग परस्पर मेलजोल न बढ़ाएं, घरों में ही बंद रहें। इसके अलावा तेजी से जांच हो, संक्रमितों की पहचान हो और उन्हें चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। मगर अनेक जगहों से शिकायतें मिल रही हैं कि जांच की प्रक्रिया अपेक्षित गति से नहीं चल पा रही है, जिसके चलते संक्रमितों की पहचान नहीं हो पा रही और वे संक्रमण फैला रहे हैं। स्वास्थ्य केंद्रों पर जरूरी सुरक्षा उपकरण और साजो-सामान उपलब्ध न हो पाने की शिकायतें भी आ रही हैं। तबलीगी जमात के जो संक्रमित लोग देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंच गए हैं, उनकी पूरी तरह पहचान नहीं हो पाई है, इस तरह अभी ठीक से पता नहीं लगाया जा पा रहा कि उनके संपर्क में कितने लोग आए और उनमें से कितने इस विषाणु से प्रभावित हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने नौ सौ साठ तबलीगियों को काली सूची में डाल दिया है, उनका वीजा रद्द कर दिया गया है, पर इतने से संक्रमण का दायरा फैलने से रोकना संभव नहीं माना जा रहा। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होगा, जब इस विषाणु का सामुदायिक संक्रमण शुरू हो जाएगा। इसी खतरे से सरकारें बचने का प्रयास कर रही हैं। पर अब जिस तरह आंकड़े बढ़ रहे हैं, उससे चिंता भी बढ़ने लगी है। अनुमान लगाया जा रहा था कि लोग अगर अनुशासन पूर्वक पूर्ण बंदी का पालन करेंगे, तो इक्कीस दिन बाद बंदी हटाने पर भी विचार किया जा सकता है, पर इसके संक्रमण का ग्राफ सपाट नहीं हो पा रहा। ऐसे में स्वाभाविक ही आम लोगों और सरकारों से इस दिशा में अधिक मुस्तैदी और सहयोग की अपेक्षा की जा रही है।

प्रकृति को चुनौती के नतीजे

ज्योति सिडाना

हमने दूसरे राष्ट्रों को मात देने के लिए बड़े-बड़े हथियार और बम बना लिए, दूसरे ग्रहों पर पहुंच गए, पलक झपकते ही दुनिया के किसी भी हिस्से में पहुंचने या खरीदारी करने का इंतजाम कर लिया, लेकिन विरोधाभास देखिए कि एक अतिसूक्ष्म वायरस से मुकाबला करने में अक्षम साबित हो रहे हैं। इतिहास बताता है कि मनुष्य प्रारंभ में अपनी प्रत्येक आवश्यकता के लिए प्रकृति पर निर्भर था। खाना-पीना, पहनना, रहना सब कुछ उसे प्रकृति से ही मिलता था। जब तक मनुष्य ने प्रकृति के साथ संतुलन का रिश्ता बनाए रखा, प्रकृति ने उसका पोषण किया। लेकिन जैसे ही वह प्रकृति का आवश्यकता से अधिक दोहन करने लगा तो प्रकृति ने मनुष्य अस्तिव को चुनौती देना शुरू कर दिया।

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता उस दिन से ही बिगड़ना शुरू हो गया, जबसे मनुष्य में लालच की प्रवृत्ति उत्पन्न हो गई। भारत को शुरू से ही आध्यात्मिक परिवेश वाला देश माना जाता है, जहां प्रकृति यानी पेड़-पौधे, आकाश, धरती, जल, वायु, पशु-पक्षी सभी को पूजा जाता रहा है। ये सभी मनुष्य अस्तित्व को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। महात्मा गांधी ने भी कहा था कि पृथ्वी हमें अपनी जरूरत पूरी करने के लिए पूरे संसाधन प्रदान करती है, लेकिन लालच पूरा करने के लिए नहीं। धीरे-धीरे सभ्यता और आधुनिक विकास के बाद मनुष्य ने प्रकृति पर नियंत्रण करना और उस पर अपनी निर्भरता को कम करना सीख लिया। जैसे वर्षा न होने पर कृत्रिम वर्षा करना, क्लोनिंग के माध्यम से नए जीव की उत्पत्ति, कृत्रिम तरीके से मनुष्य शिशु का जन्म, कृत्रिम मनुष्य अंगों का निर्माण, कृत्रिम ऊर्जा बनाना इत्यादि। उसे लगने लगा कि अब वह प्रकृति से अधिक शक्तिशाली हो गया है। उसने आकाश को फतह कर लिया, ब्रह्मांड के कोनों तक पहुंच चुका है। इसलिए अब उसे प्रकृति से डरने की आवश्यकता नहीं।

इसलिए हमने प्रकृति का आवश्यकता से अधिक दोहन करना शुरू कर दिया। जंगल के जंगल काट डाले, पहाड़ों को नष्ट कर दिया, नदियों और हवा को दूषित कर दिया, जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों को विलुप्तप्राय बना दिया। या कहें कि जीवन चक्र को ही बाधित कर दिया। परिणामस्वरूप प्रकृति ने समय-समय पर प्लेग, मलेरिया, चेचक, हैजा, खसरा, बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू और अब कोरोना के रूप में न केवल मनुष्य अस्तिव को, बल्कि प्रत्येक जीव के अस्तिव को चुनौती दे डाली है। इतिहास साक्षी है कि इन महामारियों की वजह से हर बार अनगिनत मौतें हुईं, फसलें नष्ट हो गईं, कई सभ्यताएं समूल नष्ट हो गईं। आखिर क्यों?

आज हर राष्ट्र महाशक्ति बनने की होड़ में लगा है। आधुनिक तकनीक का विकास करके वह अन्य राष्ट्रों पर अपना आधिपत्य जमाना चाहता है। लेकिन ऐसा करते समय मनुष्य यह भूल गया है कि आज भी प्रकृति के अनेक पक्ष ऐसे हैं जिन पर से वह परदा नहीं उठा पाया है। सवाल है कि जो पक्ष अज्ञात है, जिसका हमें ज्ञान ही नहीं है, उस पर नियंत्रण स्थापित करने की भूल कैसे की जा सकती है? ऐसा नहीं है कि यह सब अचानक हुआ है, अपितु समय-समय पर प्रकृति ने संकेत दिए। कभी जलवायु परिवर्तन के रूप में, कभी बाढ़, सूखा, भू-स्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के रूप में तो तो कभी महामारी के रूप में। लेकिन स्वयं को सर्व शक्तिशाली मानने के अहम में मनुष्य ने प्रकृति के इन संकेतों की हमेशा उपेक्षा की और परिणाम हमारे सामने हैं। आज हर चीज दूषित है। जल, वायु, फल, सब्जी, मसाले, अनाज और दवाएं कुछ भी तो शुद्ध नहीं मिल रहा है। हमें लगता है कि हमें सब पता है, हमने हर चीज पर जीत हासिल कर ली है और बाकी पर जल्द ही कर लेंगे। महाकवि कालिदास के बारे में कहा जाता है कि पेड़ की जिस डाल पर बैठे थे, उसे ही काट रहे थे। तो क्या हम भी वैसा ही नहीं कर रहे हैं? यह जानते हुए भी कि धरती पर जीवन के लिए प्रकृति और पर्यावरण का संतुलन बना रहना आवश्यक है फिर भी इसे नष्ट करने पर आमादा हैं। आखिर मनुष्य क्या हासिल करना चाहता है, वह भी स्वयं को विनाश के कगार पर लाकर? स्टीवर्ट उद्दाल का तर्क है कि हवा और पानी को बचाने या जंगल और जानवर को बचाने वाली योजनाएं असल में मनुष्य को बचाने की योजनाएं हैं। इस स्थिति को भांपते हुए ही गांधीजी ने कहा था कि आधुनिक शहरी औद्योगिक सभ्यता में ही उसके विनाश के बीज नीहित हैं।

प्रकृति ने हमें सब कुछ मुफ्त में दिया और हमने उनकी कीमत निर्धारित कर दी। उन्होंने सन् 1931 में लिखा था कि भौतिक सुख और आराम के साधनों के निर्माण और उनकी निरंतर खोज में लगे रहना ही अपने आप में एक बुराई है। यदि भारत ने विकास के लिए पश्चिमी मॉडल को अपनाया तो उसे अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए एक अलग धरती की जरूरत होगी। आवश्यकता इस बात की है कि लालसा और आवश्यकता में अंतर स्थापित किया जाए।

यह सच है कि जिंदगी के लिए सुविधाएं जुटाते-जुटाते हम भूल गए कि इसके कारण मनुष्य और प्रकृति के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। मनुष्य की उपभोक्तावादी प्रवृत्ति के कारण प्रकृति की ऐसी कोई वस्तु नहीं बची है, जिसे बाजार ने उपभोक्ता वस्तु या कहें कि क्रय-विक्रय की वस्तु में नहीं बदला। विकास की अंधी दौड़ ने मनुष्य जाति के एक हिस्से को, जो कि लाभ कमाने की अंधी दौड़ का हिस्सा है, समूचे पर्यावरण के प्रति असहिष्णु बना दिया है। बीसवीं और यहां तक कि इक्कीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक दौर में अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने पूंजीवादी विकास का लगभग चरम स्तर प्राप्त कर लिया था। लेकिन अमीरी और शक्ति सम्पन्न होने की भूख इन देशों की नहीं मिटी, जिसका सर्वाधिक नुकसान समूचे विश्व के विकासशील और गरीब देशों को पर्यावरण असंतुलन के रूप में चुकाना पड़ रहा है।

चीन और भारत जैसे देशों में पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ इतनी ज्यादा हो चुकी है कि पयार्वारणीय न्याय का तर्क बेमानी नजर आने लगा है। दुनिया के सर्वाधिक बीस प्रदूषित शहरों में से तेरह शहर भारत के हैं। नदियां इतनी ज्यादा प्रदूषित हो चुकी हैं उनका पानी किसी भी दृष्टि से पीने योग्य नहीं है। सवाल है कि इस पर्यावरण विनाश के लिए उत्तरदायी कौन है? यह एक तथ्य है कि भारत में संसाधनों के सत्तर फीसद हिस्से पर भारत की एख फीसद आबादी का स्वामित्व है। असल में यही आबादी पर्यावरण विनाश के लिए जिम्मेदार हैं। यही वह सक्षम आबादी है जो दुनिया की सारी सुविधाओं से संपन्न है। किसानों और आदिवासियों से जमीन खरीद कर समूची ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चौपट करने वाली इस आबादी ने उन किसानों व आदिवासियों के सम्मुख जीने का संकट खड़ा कर डाला है। समूचे प्राकृतिक संसाधनों को उपभोग की वस्तु में परिवर्तित कर इन पूंजीवादी वर्ग ने प्राकृतिक संसाधनों को आम जनता की पहुंच से बाहर कर दिया है। परिणामस्वरूप सामुदायिक वस्तु (जैसे मिट्टी, पानी, हवा) जो कि प्रकृति प्रदान किया करती है और पहले जिसकी कोई कीमत नहीं देनी पड़ती थी, अब कीमती वस्तु के रूप में वैश्विक बाजार में खरीदी और बेची जाती है। यह कैसा विकास है जहां हम तकनीकी ज्ञान के प्रभाव में आकर अपनी संस्कृति और मूल्यों को भूलते जा रहे हैं, जिसमें प्रकृति और मनुष्य दोनों के अस्तित्व के लिए दोनों का संरक्षण आवश्यक है। हमने दूसरे राष्ट्रों को मात देने के लिए बड़े-बड़े हथियार और बम बना लिए, दूसरे ग्रहों पर पहुंच गए, पलक झपकते ही दुनिया के किसी भी हिस्से में पहुंचने या खरीदारी करने का इंतजाम कर लिया, लेकिन विरोधाभास देखिए कि एक अतिसूक्ष्म वायरस से मुकाबला करने में अक्षम साबित हो रहे हैं। किसी ने सही कहा है- शहरों का सन्नाटा बता रहा है, इंसान ने कुदरत को नाराज बहुत किया है।

आपदा

पलायन से बढ़ेगा कोरोना संक्रमण का खतरा

रमेश सर्राफ धमोरा

एक का एक डर का माहौल बना दिया गया कि यदि वे लोग अपने मौजूदा कार्य स्थल पर ही रहे तो भूखे मर जाएंगे। उनको खाने को कुछ नहीं मिलेगा। सरकार कुछ नहीं करेगी। इस डर से दूसरे प्रदेशों से मजदूरी करने आये लोग अपने परिवार सहित अपने मूल प्रदेशों में अपने गांव जाने के लिए सडकों पर पैदल ही निकल पड़े। इससे अचानक पूरे देश में अफरातफ़री का माहौल पैदा हो गया।

सरकार के सामने कानून व्यवस्था को बनाए रखने की का संकट पैदा हो गया। लोगों के अचानक पलायन से देश में सबसे बड़ा संकट कोरोना के सामुदायिक विस्तार को नियंत्रित करने का पैदा हो गया। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस को रोकने का सबसे कारगर व सटीक उपाय है एक दूसरे के संपर्क में आने से बचे। सोशल डिस्टेंस मेंटेन करें व अपने घरों में रहे। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने पूरे देश में लाकडाउन की घोषणा की थी। जिसका देश की 95 फीसदी जनता बखूबी पालन भी कर रही है। लेकिन अचानक से देश के विभिन्न भागों में कार्यरत प्रवासी मजदूरों के मन में डर की भावना पैदा करने के पीछे एक बड़ी साजिश नजर आती है। केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर कोरोना संकट से निकलने लोगों को इस महामारी से बचाने के लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं। हर संभव उपाय कर रहे हैं। वही कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अनपढ़ गरीब लोगों के मन में कोरोना को लेकर डर का माहौल पैदा कर देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को खराब करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद बार-बार देश की जनता से मुखातिब होकर लगातार कह रहे हैं कि किसी को भी रहने, खाने, चिकित्सा सुविधाओं की कहीं कमी नहीं रहने दी जाएगी। जो लोग जहां है वही रहे उनके स्थान पर ही उनकी समस्त आवश्यकताओं की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सरकार की है।

कोरोना संकट के चलते पूरे देश में लाकडाउन लागू है। मगर देखने में आ रहा है कि लाकडाउन लागू होने के छ दिन बाद भी लोग कोरोना संकट को गम्भीरता से नहीं ले रहें हैं। देश में लाकडाउन लागू होने के दो दिनो बाद देश के विभिन्न भागों में अचानक ही बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम सड़कों पर निकल कर लोकडाउन के उद्देश्य को असफल करने लगा। देश के विभिन्न प्रदेशों में काम कर रहे अन्य प्रदेशों के प्रवासी लोग जिनमें अधिकतर दिहाड़ी मजदूर है।

लेकिन अचानक ही दिल्ली में लाखों लोग यूपी बॉर्डर की तरफ निकल पड़ते हैं। कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि डीटीसी की बसों में भी भर कर कर लोगों को यूपी बार्डर तक छोड़ा गया था। इससे उस क्षेत्र में भारी भीड़ हो जाने से सोशल डिस्टेंस मेंटेन का तो सवाल ही नहीं रहा। प्रशासन के समक्ष कानून व्यवस्था बनाए रखने की भी बड़ी समस्या खड़ी हो गई। ऐसे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तात्कालिक निर्णय लेते हुए उत्तर प्रदेश बॉर्डर पर एकत्रित हुए लोगों को उनके गृह जिलों में पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों की व्यवस्था कराई। हालांकि लोगों की संख्या को देखते हुए एक हजार बसों की संख्या पर्याप्त नहीं थी। फिर भी वहां से काफी लोगों को हटाया गया। आज भी देश के अनेक भागों में लोग अपने परिवार सहित पांच - सात सौ किलोमीटर दूर अपने घरों के लिए पैदल ही निकल पड़े हैं। जिनके पास न खाने का कोई साधन है ना ही परिवहन का कोई साधन है। ना ही रुपए पैसे हैं। मीडिया व सोशल मीडिया में लगातार ऐसी फोटो, वीडियो आ रहे हैं जिसमें अपने छोटे-छोटे बच्चों को कंधों पर उठाकर लोग पैदल ही अपने गांव की तरफ लौट रहे हैं। अपने घरों की तरफ लौट रहे लोगों से कई जगह पत्रकारों ने बात की तो उनका कहना था कि हम जहां काम करते थे वहां भूखो मरने की नौबत भी आ गई थी। इसलिए हमने सोचा कि भूख से मरने से तो अच्छा है पैदल चलकर ही घर पहुंचें।

लाकडाउन के दौरान लोगों के पलायन के दौरान कई दर्दनाक तस्वीरें भी सामने आयी है। पलायन की आपाधापी में 67 लोगों का एक दल दिल्ली से उत्तर प्रदेश में अपने गांव श्रावस्ती जाने के लिए पैदल ही निकल पड़ता है। इस दल में औरत, बच्चे व मर्द शामिल हैं। दिल्ली में ये लोग एक ठेकेदार के पास काम करते थे। लॉक डाउन की घोषणा सुनते ही ठेकेदार मजदूरों का पैसा ले कर भाग गया। इससे मजदूरों के पास न काम बचा न पैसा। मजबूरी में से लोगों ने गांव जाना ही उचित समझा। इन लोगों में 80 साल के सालिगराम को लकवा था। जिससे वो चल नहीं सकता था। इस कारण एक लकड़ी में चादर को झूले की तरह बांध कर उसमे सालिग राम को डाल कर लोगों ने उसे कंधों पर उठाकर पांच दिन में दिल्ली से लखनऊ तक पैदल लेकर आ गये। जब इन लोगों का दल लखनऊ पहुंचा तो वहां के शाहीद पथ पर आईपीएस नवनीत सिकेरा की नजर उन लोगों पर पड़ी। लोगों की हालत देखी तो उन्होने सबसे पहले इन सबको खाना खिलाया फिर रोड़वेज बसों का इंतजाम करवाकर उनको घर तक पहुंचाया।

देश में अचानक ही लोगों के अपने गांव की तरफ लौटने से मची अफरातफरी के मध्यनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तत्काल सभी राज्य सरकारों को पत्र लिखकर कड़ाई बरतने का निर्देश देते हुए कहा है कि जो लोग जहां है उनको वही रोककर उनके खाने-पीने के समस्त व्यवस्था की जाए तथा उनका मेडिकल चेकअप करवाया जाए। लोग घरों से निकल कर चल रहे हैं उनकी न तो कहीं कोई स्वास्थ्य की जांच की गई है ना ही किसी को यह पता है कि उनमें से कोई कोरोना से पीड़ित तो नहीं है। ऐसे में यदि ये लोग अपने घर पहुंच जाते हैं और वहां जाकर उनमें से कोई कोरोना पॉजीटिव निकल जाता है तो वह सबके लिए खतरा बन सकता है।

इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने सभी जिलों की सीमा सील कराने के निर्देश दिए हैं जो बहुत जरूरी भी है। यदि ऐसा नहीं होगा तो सरकार द्वारा की जा रही इतनी व्यवस्था, देश में किया जा रहा लाकडाउन निष्प्रभावी हो जाएगा और कोरोना जैसी महामारी से लड़ने में हम असफल हो जाएंगे। इसलिए सभी प्रदेशों की सरकारें व सभी जिला प्रशासन को तत्काल ही दिशा में कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। देश के शहरी क्षेत्र में तो पुलिस प्रशासन के बल पर लाकडाउन का पालन करवाया जा रहा है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाकडाउन का पूर्णतया पालन नहीं हो पा रहा है। पुलिस और प्रशासन का पूरा ध्यान शहरों तक ही होने के कारण गांव में लोग आज भी धड़ल्ले से कहीं भी आ जा रहे हैं। लोग अपनी मनमर्जी से दुकानें खोल रहे हैं व मनमर्जी से घूम रहे हैं। उनको नियंत्रण करने वाला कोई नहीं है।

कोरोना से संकट

हम रोना क्यो रोये ये कोरोना ही तो है,
जब जीते हर बार है तो इस बार भी जीत जाएंगे।।
हम रोना क्यो रोये ये कोरोना ही तो है।।

हाँ माना है संकट की घड़ी भारी है,
अब हम को निभानी जिम्मेदारी हैं।।
निभाएंगे कर्तव्य अपना करना बस,
सोशल डिस्टइंस्टिंग ही तो है।।
हम रोना क्यो रोये ये कोरोना ही तो है।।
बस धोना है हाथ साबुन से तीस सेकेंड तक,
और रहना बनाये रखना एक मीटर की दूरी है।
खांसते और छीकते समय रखना मुँह ढंक कर है,
अपने और अपनों के लिए ये करना ये बहुत जरूरी है।
हम रोना क्यो रोये ये कोरोना ही तो है।।
कोरोना है एक अदृश्य शत्रु जिसके लिये,
तलवार नही उठाना है।।
बस सतर्क होकर समाज मे जागरूकता फैलाना है,
और नहीं हो आवश्यक तो घर से नहीं निकलना है।।
हम रोना क्यो रोये ये कोरोना ही तो है।
हा बस एक समस्या है कि देश का हर वर्ग एक सा नहीं है,
किसी के पास है ज्यादा किसी के पास कम है।।
पर भारत के अंदर सेवा का भाव सदा से है,
निपट जायेंगे इस समस्या से देख लेना।।
हारेगा कोरोना हम जीत जाएंगे
हम रोना क्यो रोये ये कोरोना ही तो है।।

पूनम पाल
(केआरजी महाविद्यालय)
स्वयं सेविका, राष्ट्रीय सेवा योजना
ग्वालियर मप्र

जमातियों के खिलाफ ठोस कार्यवाही करने की जरूरत

शैलेश सिंह कुशवाह, वरिष्ठ पत्रकार

जमातियों के द्वारा सर्व प्रथम प्रशासनिक चेतावनी की अनदेखी करना, उसके बाद लॉक डाउन तोड़ना फिर जब पकड़े गए तव पुलिस पर थूकना चिकित्सा टीम के साथ अभद्र ब्यबहार करना ,खाने के नाम पर चिकन बिरयानी की डिमांड करना ,अस्पताल स्टाफ के साथ मारपीट नर्सों के साथ अश्लील हरकतें करना, जांच टीम के साथ मारपीट अब तो हद कर दी पुलिस अधीक्षक जैसे बरिष्ठ अधिकारी को घायल कर पुलिस चौकी पर हमला करना आंतरिक सुरक्षा को चुनोती दे रहे है उससे भी अधिक जिल्लत की बात कि पत्रकार इन मुद्दों को लेकर सवाल करे तो पत्रकारों को सीधे तौर पर धमकी देना सुरु कर दिया जो यह संकेत हैं कि यदि इस तरह के सामाजिक संगठन पर सख्त कार्यवाही नही की गई तो देश मे अराजकता फैलाने में ऐसे लोगों को देर नही लगेगी । उससे भी बड़ी बात ये महामारी को फैलाने वाले संक्रमण को महामारी कीट की भूमिका निभा रहे है सरकार के प्रयत्नों को फेल करने की साजिश रचने वाले लोगों के विरुद्ध कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है अन्यथा पूरे देश को इसके घातक परिणाम झेलने पड़ेंगे ।अब जरूरत इस बात की है कि एक तरफ सरकार महामारी की जंग से लडे तो दूसरी ओर जमातियों की अवैधानिक ब्यबस्था से जंग करे।इन जमातियों ने देश में जो अराजकता की स्थित निर्मित की है उस पर कठोर कदम उठाने की जरूरत है।

जय हिंद

महात्मा गांधी की आर्थिक विचार धारा

हर्षवर्धन पाठक

महात्मा गांधी को राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए उनके संघर्ष के लिए लोग जानते हैं। कुछ लोगों का ध्यान राजनीतिज्ञों के द्वारा फैलाए गए इस प्रचार की ओर भी गया होगा कि गांधी जी ने साम्प्रदायिकता के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की बलि दे दी। लेकिन इस ओर अधिक लोगों का ध्यान नहीं गया होगा कि गांधी जी की आर्थिक मामलों पर भी अपनी राय थी। गांधी जी की आर्थिक मुद्दों पर भी महत्वपूर्ण राय थी। उन्होंने समय समय पर आर्थिक विषयों पर भी अपने विचार व्यक्त किये थे। उनका सबसे महत्वपूर्ण विचार ट्रस्टीशिप का सिद्धांत था।

गांधी जी ने अपने पत्रों - हरिजन और यंग इंडिया के माध्यम से अपने विचार रखे थे । इसके अतिरिक्त अन्य माध्यमों से भी अपनी राय व्यक्त किए। महात्मा गांधी का यह महत्वपूर्ण मत था कि जो भी धनी और संपन्न व्यक्ति हैं वे यह मान कर चलें कि जो भी उनके संपत्ति उनके पास है वह समाज की है और वे उसकी देख भाल के लिए नियुक्त ट्रस्टी हैं। जिस प्रकार एक व्यक्ति अपनी संपत्ति की रक्षा करता है और उसकी वृद्धि-समृद्धि के लिए कोशिश करता है उसी प्रकार का दृष्टिकोण व्यक्ति को रखना चाहिए। धनी व्यक्तियों को यह समझना चाहिए कि वे समाज की संपत्ति के लिए नियुक्त थाती चौकीदार हैं। गांधी जी का कहना था कि धन का समान वितरण होना चाहिए, यह मेरा आदर्श है लेकिन यह संभव नहीं है अतः धन का न्यायपूर्ण वितरण होना चाहिए। इसलिए धनी लोग यह समझें कि उनकी संपत्ति समाज की है और वे इसके त्रस्टी हैं। अर्थशास्त्र - राजनीति शास्त्र की किताबों में इसे गांधी जी का त्रस्टीशिप सिद्धांत कहा गया है और इसकी विवेचना की गई है। गांधी जी का मत था कि प्रेम और वर्जनशील परिग्रह एक साथ नहीं चल सकते। इसलिए अपरिग्रह की चर्चा धार्मिक ग्रंथों में की गई है। यह भी कहा जाता है कि भारत यदि आजाद हुआ तो इसलिए नहीं कि गोरों के बदले काले आदमी बैठ जांय। इसलिए उनका मानना है कि सब अपनी मेहनत का फल पा सकें, ऐसी व्यवस्था होना चाहिए। गांधी जी ने इस संबंध में विस्तार से लिखा है। उन्होंने लिखा था कि धनवानों के पास जिन वस्तुओं की आवश्यकता नहीं होती उनका भी फालतू भंडार भरा रहता है दूसरी ओर लाखों लोग आजीविका के अभाव में भूखे मर जाते हैं। यदि हर आदमी अपनी जरूरत की चीजें रखे तो किसी को कोई कभी नहीं रहेगी। गांधी जी ने इस बात पर बार बार बल दिया है कि सर्वत्र संतोष की भावना फैलाने की दृष्टि से अमीरों को परिग्रह छोड़ने में पहल करना चाहिए। आर्थिक समानता अहिंसा पूर्ण स्वराज की मुख्य चाभी है।यह तब ही प्राप्त की सकती है जब अपरिग्रह की भावना का पालन किया जाए। उनका यह भी मानना था कि पूंजी और मजदूरों के झगड़ों को मिटाने के लिए यह भी जरूरी है कि समाज के हर सदस्य को अपनी शक्तियों का उपयोग इसकी पुष्टि करता है। उनका यह भी कहना था कि पूंजीपतियों द्वारा पूंजी के दुरुपयोग कि बात सामने आई तब समाजवाद का जन्म हुआ,यह ख्याल गलत है। समाजवाद और साम्यवाद भी ईषोपनिषद के श्लोक में मिल जाता है। हृदय परिवर्तन के अपने सिद्धांत के विषय में उनका कहना था कि यह ठीक है कि जो लोग हृदय परिवर्तन के मेरे आदर्श को नहीं मानते उन्होंने वैज्ञानिक समाजवाद की रक्षा बात ढूंढ निकाली लेकिन सच्चा समाजवाद तो हमें हमारे पूर्वजों से प्राप्त हो गया था जिन्होंने हमें सिखाया था कि सबै भूमि गोपाल की। इसमें मेरे तेरे की सीमायें नहीं हैं। ये सीमाएं तो आदमी की बनाई हैं। उनका यह मत कितना सही है।

देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें- लक्ष्मी कौरव

भोपाल(अर्पित गुप्ता)। आशा,ऊषा और आशा सहयोगिनी कार्यकर्ता संघ से जुड़ी हुई सभी आशा सहयोगिनी कार्यकर्ता 1000 और आशा कार्यकर्ता टीकाकरण स्तर की प्रोत्साहन राशि का 150 रुपये सरकार को सहयोग स्वरुप दें रही है क्योंकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और सञ्चालक ही संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं तो जनता कैसे बचेगी इस विपरीत प्रभाव से चिंतित होकर आशा,ऊषा,आशा सहयोगिनी संघ की प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी कौरव ने सरकार से अपील करते हुए कहा है कि हमारी दी हुई सहयोग राशि से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में और कोविड 19 की विषम और गम्भीर परिस्थितयों में भी देश हित मे काम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिये शासन सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराए स्वास्थ्य के प्रमुख सचिव और मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन ने समस्त जिलों में ये निर्देश भी दिए हैं की ग्राम पंचायतों में सैनिटाइजर और मास्क बाटे जाएं लेकिन आज दिनांक तक ग्राम पंचायतो में आम जनता से सीधे संपर्क में आने वाले जमीनी स्तर पर सर्वे और संक्रमण के लक्षणों की पहचान जेसे जोखिम कार्य करने वाली आशा,ऊषा आशा सहयोगी(फेसिलिटेटर)आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इनको कोई भी सुरक्षा किट या मॉड्यूल उपलब्ध नहीं कराये गये है ।असुरक्षित तरीके से कार्य करने के कारण हमारे परिवारों के स्वास्थ्य पर संक्रमण का खतरा बना हुआ है ।इंदौर में आशा कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य विभाग पर हुये हमले की घोर निंदा करते हुये उन्होंने कहा कि,हम जनता के स्वास्थ्य व सुरक्षा की चिंता के कारण इतनी विषम परिस्थितियों में भी अपनी जान जोखिम में डाल कर कार्य कर रहे है,तो जनता को भी सद्भाव पूर्वक हमारा सहयोग करना चाहिए।

अपने सपने तोड़कर की राधिका ने गरीबों की मदद

10 वर्षीय राधिका ने कोरोना से प्रभावित लोगों की मदद हेतु गुल्लक में जमा पैसे किये सीएम फण्ड में दान

दबोह (मोहित गोस्वामी)

कोरोना की महामारी से पूरा देश जूझ रहा है ऐसे में बच्चों को भी उसके हानिकारण प्रभाव पता है जिसके चलते बच्चे भी गरीबो की मदद में अपनी हिस्सेदारी कर फंड में दान कर एक अलग ही मिशाल कायम करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं।यहां बता दें कि भिण्ड जिले के दबोह निवासी 10 वर्षीय राधिका शर्मा पुत्री अरुण शर्मा निवासी वार्ड 04 दबोह ने कोरोना से प्रभावित लोगों की मदद हेतु अपनी गुल्लक में जमा 2 हजार 250 रुपये सीएम फण्ड में दान किए और एक नई मिशाल कायम की है।कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच जहां देश/प्रदेश में लॉक डाउन है वहीं गरीबों की मदद के लिए बच्चे आगे आए हैं यह देश के लिए गर्व की बात है।बच्चो की गुल्लक सिर्फ उनकी बचत नहीं,बल्कि उनका एक सपना होती है।कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हुए लॉकडाउन में अब जरूरतमंदों की सहायता के लिए बच्चे अपने इस सपने को भी तोड रहे हैं और सरकार को सहायता राशि दे रहे है।

बेटी राधिका ने कैसे की सीएम फंड में राशि दान

बेटी राधिका शर्मा द्वारा लहार

एसडीएम ओमनारायण सिंह से फोन पर सम्पर्क किया गया और राशि दान करने की बात कही।जिसके बाद एसडीएम महोदय ने बेटी को थोड़ी देर का समय देकर दबोह नगर परिषद कार्यालय पहुंचने की बात कही।जब बेटी अपनी गुल्लक में जमा राशि नगर परिषद कार्यालय पहुंची तो उसके चेहरे पर जो मुस्कान थी वह वास्तविक में बयां कर रही थी कि उसे बेहद खुशी है। **एसडीएम महोदय के दबोह नगर परिषद** कार्यालय पहुंचने के बाद बेटी राधिका ने अपनी गुल्लक में जमा 2 हजार 250 रुपये की राशि लहार एसडीएम ओमनारायण सिंह को देकर कहा कि सरकार तो अपने स्तर पर काम कर रही है और इस काम में मैं भी अपनी तरफ से एक छोटी सी मदद करना चाहती हूँ।जब एसडीएम लहार ने बेटी राधिका के मुँह से यह बात सुनी तो उसे शाबासी दी।उन्होंने कहा कि बेटी ने जिस तरह आगे बढ़कर अपने सपनो की गुल्लक तोड़कर जो सरकार को सहायता राशि दान की है काबिले तारीफ है।यहां बता दें कि बेटी राधिका ने कोरोना वायरस के संक्रमण से लड़ने के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष में यह राशि दी है।

खुद को सुरक्षित रखने हेतु घर पर मास्क कैसे बनायें

मुरैना। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक द्वारा जारी किये गये परिपत्र के अनुसार वैज्ञानिकों द्वारा किये गये परीक्षणों के अनुसार 100 प्रतिशत कॉटन से निर्मित दोहरी पर्त वाले (डबल लेयर) मास्क कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु अत्यन्त प्रभावी हैं। मास्क वयस्क व्यक्ति के लिये 9-7 इंच का तथा बच्चों के लिये 7-5 इंच लम्बाई-चौड़ाई आकार का आवश्यक है। मास्क को उपयोग करने के पूर्व अच्छी तरह से धोना, साफ करना, मास्क पहनने से पहले हाथ धोना, मास्क ढीला होने पर बदलकर दूसरा लगाना आवश्यक है। बगैर सफाई के मास्क का पुनः प्रयोग नहीं किया जाना चाहिये।

लॉक डाउन के आज चौदबे दिन भी पुलिस का पहरा चुस्त...

केशब पडित जी अम्बाह

अम्बाह पुलिस ने बेवजह घर से निकले लोगो को लगबाई उठक बैठक...

अम्बाह। मुरैना जिले में संपूर्ण लाक डाउन मे पुलिस अधीक्षक असित यादव के निर्देशन में जगह-जगह चेकिंग प्वाइंट पुलिस मुस्तैद। अम्बाह पुलिस टीम बना कर जगह-जगह कर रही है भ्रमण। बेवजह निकल रहे घर से लोगो को पुलिस ने उठक- बैठक लगाकर दी समझाइश। आप लोग अपने घरों पर सुरक्षित रहे। लाक डाउन का पालन करें।शराब पीकर

वाहन न चलाएं। वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई इस दौरान तहसीलदार सर्वेश यादव व टीआई शिबसिह यादव एसआई महाबीर शर्मा ने पुलिस बल के साथ नगर-में जगह-जगह भ्रमण कर लोगों को घरों में रहने की और पुलिस प्रशासन की सहयोग करने की अपील की घर मे रहै सुरक्षित रहै बच्चौ का बिशेष ध्यान रखे।

क्राइम स्कवाड पुलिस ने सुरपुरा थाने के बिजौरा गांव से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया

रिपोर्टर धर्मेन्द्र सिंह

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक श्री नगेन्द्र सिंह द्वारा भिण्ड जिले में कोरोना वायरस से बचाव हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए यथासंभंव प्रयास किए जा रहे हैढ्ढ वहीं उन्हें गोपनीय तरीके से कुछ दिनों से सुरपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में आरोपियों द्वारा अपने घरों में अवैध हथियार रखने की सूचनाएं मिल रहीं थी, इस सूचना की तस्दीक करने के लिए उन्होंने क्राइम स्कवाड के प्रभारी विनोद छावई को कड़े दिशा-निर्देश दिए थेढ्ढ इन्हीं दिशा-निर्देशों के परिपालन में क्राइम स्कवाड के प्रभारी ने अपने मुखविर तंत्र को सक्रिय किया और अवैध हथियारों के जखीरे को बरामद करने के लिए एक रणनीति बनाईढ्ढ उसी रणनीति के तहत मुखविर के द्वारा क्राइम स्कवाड के प्रभारी को सूचना प्राप्त हुई कि सुरपुरा थाने के बिजौरा गांव में एक घर के अंदर अवैध हथियारों का जखीरा मौजूद हैढ्ढ मुखविर के द्वारा पुलिस को स्थान और घर के बारे में अवगत करा दिया गया था, मुखविर की सूचना को विश्वसनीय मानते हुए क्राइम स्कवाड के प्रभारी के नेत्रत्व में पुलिस टीम ने उक्त कार्यवाहीं को अंजाम दियाढ्ढ इस कार्यवाही के दौरान पुलिस को सुरपुरा थाने के बिजौरा गांव के निवासी सुखराम भदौरिया के यहां अवैध हथियार होने की पुष्टि की गई और मौके से पुलिस ने दशरथ पुत्र सुखराम सिंह व शत्रुघ्न पुत्र सुखराम निवासी बिजौरा को पकड़ा हैढ्ढ आरोपी दशरथ के कब्जे से एक 315 बोर की बंदूक व एक रिवाल्वर तथा शत्रुघ्न के कब्जे से एक 12 बोर बंदूक व एक माऊजर बंदूक तथा बड़ी संख्या में कारतूस बरामद किए गए हैढ्ढ पुलिस इन अवैध हथियारों की जांच-पड़ताल कर रहीं हैढ्ढ पुलिस की इस सफल कार्यवाहीं में क्राइम स्कवाड के प्रभारी विनोद छावई व एएसआई सत्यवीर सिंह और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं है।

यूको बैंक ग्राहक सेवा केंद्र का कारोबार सड़क पर चलता हुआ वह भी लॉक डाउन के चलते, ग्राहकों ने नहीं लगाए हुए थे मास्क

बैंक कर्मियों के द्वारा बिना सैनिटाइज किए धड़ल्ले से हो रहा था लेन-देन

प्रदीप राजावत ब्यूरो

भिंड। जिले के ऊमरी थाना अंतर्गत ऊमरी कस्बे में यूको बैंक के बाहर यूको ग्राहक सेवा केंद्र द्वारा ग्राहकों का लेन देन सड़क पर होते हुए दिखा, इतना ही नहीं बैंक कर्मियों के सामने लोगों की भीड़ जमा थी, बिना मास्क लगाए हुए, जोकि लॉक डाउन की धज्जियां उड़ाते हुए साफ दिखाई दे रही थी, इतना ही नहीं बैंक कर्मियों के द्वारा ग्राहकों को सैनिटाइज भी नहीं किया जा रहा है, धड़ल्ले से हो रहा था लेनदेन।जैसा की वीडियो में दो जवान भी खड़े दिख रहे हैं लेकिन वह भी इस भीड़ को रोकने में नाकाम दिख रहे हैं।

ऐसे कैसे कोरोना वायरस से भारत की जीतेगा जंग। फिलहाल भिंड जिले में ऐसी लॉक डाउन की धज्जियां उड़ाती हुई कई जगह से तस्वीरें सामने निकल कर आ रही है। बैंक कर्मियों एवं जवानों की मौजूदगी में यूको ग्राहक सेवा केंद्र के ग्राहक लॉक डाउन की धज्जियां उड़ाते दिखाई दे रहे है। इतना ही नहीं यूको बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र के द्वारा यूको बैंक के बाहर यह कारोबार सड़कों पर चलता दिखाई दिया, अब ऐसे दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है यह तो वक्त ही बताएगा।

बकाया फीस 30 अप्रैल तक जमा की जा सकेगी

मुरैना। म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव प्रमोद सिंह ने बताया है कि देश में कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु प्रभावी लॉकडाउन के मद्देनजर माध्यमिक शिक्षा मण्डल, सीबीएससी एवं आईसीएसई बोर्ड से संबद्धता प्राप्त प्रदेश के समस्त विद्यालयो में शैक्षणिक सत्र 2019-20 की अप्रैल 2020 तक छात्र-छात्राओ की बकाया फीस/शुल्क 30 अप्रैल तक जमा की जा सकेगी। विद्यालय द्वारा इस पर कोई विलंब शुल्क नही लिया जाएगा।

नगरीय प्रशासन की सुअर पालकों को कड़ी चेतावनी

नगर में आवारा सूअर घूमते दिखे तो उन्हें पकड़वाकर भेजा जायेगा बाहर

दबोह (मोहित गोस्वामी)

कोरोना वायरस संक्रमण के चलते नगर में इन दिनों सुअरो का जमाबड़ा देखने को मिल रहा है जिसके चलते मुख्य नगर पालिका एन आर खेंगर के द्वारा पूर्व में भी उन्हें नोटिस जारी कर सुअरो का बांधकर रखने की बात कही थी परन्तु उसके बाद भी सुअर मालिक बाज नही आये जिसके चलते पुनः मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने मय पुलिस फोर्स के साथ सुअर पालको के बीच पहुंचकर उन्हें नोटिस जारी कर शख्त चेतवानी देते हुए कहा कि अगर अब सुअर कहीं भी घूमते पाए गए तो सुअरो को पकड़वाकर बाहर भेज दिया जाएगा जिसके जिम्मेदार सुअर पालक स्वयं होंगे।उन्होंने कहा कि अगर नगर में किसी भी गली मोहल्ले में सूअर घूमते दिखे तो नगरीय प्रशासन द्वारा किसी प्राइवेंट कम्पनी द्वारा इन आवारा सुअरो को

पकड़बाकर किसी गाड़ी में भरबाकर नगर के बाहर छोड़ा जायेगा।इसी के साथ उन्होंने पुलिस को भी पत्र लिखा जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि अगर अब सुअर दिखाई दिए तो सुअर पालको पर पुलिस सख्ती दिखाते हुए कार्यवाही करे।।

इनका कहना

सुअर पालको को पुनः नोटिस जारी कर चेतवानी दी गई है अगर अबकी बार नही माने तो पालको के खिलाफ पुलिस प्रशासन कार्यवाही करेगा।।

एन आर खेंगर, सीएमओ दबोह

नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव ने सिविल हॉस्पिटल का किया औचक निरीक्षण

ग्वालियर, (अर्पित गुप्ता)। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते डबरा एसडीएम जयति सिंह को

खामियों के चलते बीएमओ को लगाई फटकार

सिविल अस्पताल की बार-बार शिकायतें मिल रही थी।जिसके चलते एसडीएम जयति सिंह के आदेशानुसार नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर सिविल हॉस्पिटल का निरीक्षण किया।जिस दौरान नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव ने सिविल हॉस्पिटल का बारीकी से निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव

ने पाया कि अस्पताल में कुछ वार्ड पाए जिनमें दरवाजा ही नहीं है तो कुछ में गर्मी को देखते हुए पंखे खराब पड़े हुए हैं।वहीं अस्पताल परिसर में पानी पीने की समुचित व्यवस्था भी नहीं मिली।वहीं अचम्भे की बात तो यह है कि हॉस्पिटल में जहां प्रसूता का वार्ड है वहीं वार्ड के सामने आवारा कुत्ते सोते हुए भी मिले जो किसी भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते है।जिसके बाद नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव ने बीएमओ को फटकार लगाई कहा जल्द से जल्द सिविल हॉस्पिटल की सारी व्यवस्थाएं कम से कम समय में जल्द शुरू करने के आदेश भी दिए।उन्होंने कहा कि अगर इस तरह की शिकायतें पुनः आई तो सम्बंधित सभी के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री कोष में वेतन से सीधे जमा कर सकते हैं धनराशि

मुरैना। कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए बड़ी संख्या में लोग आगे आकर मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान कर रहे हैं। शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी योगदान दे रहें हैं। इस संबंध में शासन द्वारा शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन जनरेट करते समय वांछित धनराशि की कटौती करने की सुविधा आहरण अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई हैं। कोई भी अधिकारी-कर्मचारी अपने आहरण अधिकारी से संपर्क कर अपनी स्वेच्छा के अनुसार राशि राहत कोष में दान करने के लिए कटवाने की सहमति दे सकते हैं।

अम्बाह एमएलडी कॉलौनी का सराहनीय प्रयास सबने मिलकर राहत कोष मे जमा कराई राशि...

केशव प्रसाद शर्मा

अम्बाह, कोरोना नामक बेसिक महामारी जब पूरे मध्य प्रदेश और देश में पैर पसार रही उस विषम परिस्थिति में आचार्य पं. जितेन्द्र जी महाराज व पप्पू भदोरिया दीप चन्द शर्मा एचओ शर्मा ने 3361.रु श्रीमान अम्बाह एसडीएम महोदय को देखकर मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा कराई जिसमे सन्जू भदोरिया व दीपचन्दशर्मा की अहम भूमिका रही।

दबोह आंगनवाड़ी द्वारा कोरनटाइन कर किया गया दीवाल लेखन

दबोह। कोरोना वायरस संक्रमण देशभर में महामारी मचा रहा है जिसके चलते हर जगह लॉकडाउन बना हुआ है और जो

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने की कोरनटाइन लोगो से घरो में रहने के दी सलाह

लोग बाहर निवासरत थे वह पुनः वापस आ गए हैं जिसकी चलते बाहरी लोगों की जानकारी एकत्रित कर वार्ड नम्बर 04 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनीता झा के द्वारा भरतपुर राजस्थान,पलबल हरियाणा से आये हुए 11 लोगो को कोरेनटाइन किया गया वहीं वार्ड नम्बर 14 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूनम द्वारा भी लोगो को कोरेनटाइन किया गया।इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा निरीक्षण कर सूची तैयार की गई और फिर बाहर से आए हुए लोगों के घर-घर जाकर उन्हें कोरनटाइन किया गया और संक्रामक बीमारी-19 (कोरोना) के संक्रमण से बचने के लिए दीवाल लेखन कराया और उन्हे 14 अप्रैल तक तक घर पर रहने की सलाह दी गई।आंगनबाड़ी द्वारा कोरोना वायरस के चलते लोगो से अपील की गई कि वह 14 अप्रैल तक घर से बाहर ना निकले,एक दूसरे से कम से कम 1 से 2 मीटर की दूरी रखें,साथ ही अपने हाथों को साबुन से 20 सेकेंड तक अच्छे से धोएं।वहीं सरकार के टोल फ्री नम्बर 104 और 181 की जानकारी दी भी गई व कोरोना से बचने के लिए उपाये भी बताये गये।

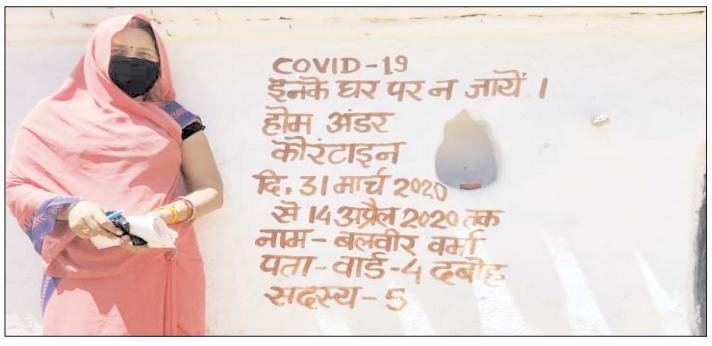

आवश्यकता है

पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज पोर्टल को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।

इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

देश के सभी प्रदेशों में, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड

कार्यालयः ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इन्क्लेव गुढ़ा रोड गोले का मंदिर ग्वालियर

संपर्क: 7999246560, 8269307478

Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

लॉक डाउन में भी गऊ सेवक कर रहे निराश्रित गौ वंश की सेवा

अभिषेक राठौड़ रिपोर्टर

ग्वालियर- लालटिपारा गौ शाला के संतों के मार्गदर्शन से एवम ग्वालियर के दानदाताओं के सहयोग से जो संस्थाएं गऊ सेवा क्षेत्र में कार्य कर रही है उनको गऊ माता के लिये भोजन एवम हरे चारे की व्यवस्था की जा रही है लेकिन जब से ये महामारी कोरोना ने दस्तक दी जब लोगो मे इस महामारी का भय पैदा हो गया है जिसकी बजय से प्रशासन भी जी तोड़ मेहनत कर रही है इस महामारी से बचाब के लिये लेकिन बही लोक डाउन में निराश्रित गौ वंश की स्तिथि गम्भीर हो गई है जिनको बाहर न भोजन मिल रहा है और न ही कुछ खाने को ऐसे में बाहर घूम रही गायो को भोजन एवम चारे की व्यवस्था कहा से हो ऐसे में कई समाज सेवी संस्थाओं ने आगे कदम बढ़ाये है जिसमे से युवा

स्ट्रेज संस्था, कुंज विहारी सर्व सेवा संस्थान, गौरी गौ सेवा समिति जिन्होंने बेसहारा गऊ वंस किसी प्रकार से कोई भूखा न रहे इस मुहिम को चलाया है जिसमे ग्वालियर शहर में प्रत्येक दिन अलग अलग जगहों पर जाकर गायों को टीम के सदस्य हरा चारा खिला रहे है जब से ये लोक डाउन हुआ है तब से टीम के सदस्य निरंतर अपनी सेवाये दे रहे है। इस गऊ सेवा में कई गऊ सेवक लगे जैसे शेखर तोमर, सुरजीत राजावत, धीरू तोमत, गोविंद बैस, प्रशांत गुप्ता, कुंज विहारी शर्मा, निमिष राजावत, लक्षमण यादव, गौरव वर्मा ये वो गऊ सेवक है जो निरंतर अपनी सेवाये दे रहे है दिन रात गऊ सेवको का कहना है कि जब तक शरीर मे है दम मिलकर गऊ सेवा करेंगे हम।

चिरवाई चैक प्वॉइंट पर भी बाहर से आने वालों का होगा स्वास्थ्य परीक्षण

ग्वालियर। जिला प्रशासन ने ग्वालियर जिले में रहने वाले ऐसे व्यक्ति जो अन्य जिलों एवं राज्यों में मजदूरी, रोजगार धंधों एवं नौकरी करते थे या अपरिहार्य कारणों से अपने गृह जिले में आ रहे हैं। ऐसे लोगों का जिले की सीमा पर 8 स्थानों पर प्रवेश के समय स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा रहा है। इसके साथ ही जिला प्रशासन ने जिले की सीमा पर चिरवाई चैक प्वॉइंट पर प्रवेश के समय चिकित्सक की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले की सीमा पर बाहर से आने वाले व्यक्तियों के प्रवेश करने पर 8 स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार की व्यवस्था की है। इसके लिये प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक तथा अन्य अधिकारियों को 24 घंटे तैनात किया गया है। इन केन्द्रों के अतिरिक्त चिरवाई चैक प्वॉइंट पर भी स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार की व्यवस्था हेतु जल संसाधन विभाग के एसडीओ श्री ए के शुक्ला चिकित्सक के रूप में डॉ. पराग गुप्ता, डॉ. मोहित दारावानी, डॉ. वासुदेव सिंह, डॉ. राहुल राजपूत, डॉ. दीपक सहित जल संसाधन विभाग के उपयंत्री श्री संतोष सिंह यादव, उपयंत्री श्री सुरेश बाबू शर्मा एवं उपयंत्री श्री एस के शर्मा को नियुक्त किया गया है।

थाना बिजोली पुलिस ने फरारी बदमाष को मय एक 315 बोर बंदूक के साथ किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर, श्री नवनीत भसीन(भापुसे) के निर्देषानुसारफरारी बदमाषों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक (देहात), श्री सुरेन्द्र सिंह गौर एंव एस.डी.ओ.पी बेहट श्री के.एम.गोस्वामी द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों कोफरारी बदमाषों की धरपकडहेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने हेतु आदेषित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषों के परिपालन मे दिनांक 06.04.2020 को थाना प्रभारी बिजौलीनिरी. वीर सिंह ठाकुरको जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना बिजौली क्षेत्र मे फायरिंग करने वाले बदमाष को ग्राम सुपावली मे देखा गया है। उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी बिजौली ने मय थाना बल के साथमुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी करफायरिंग करने वाले बदमाष को धरदबोचा। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम कमलेष पुत्र विजयराम शर्मा उम्र 35 साल निवासी ग्राम सुपावली ग्वालियर बताया। गिरफ्तार बदमाष की निषानदेही पर उसके धर से फायरिंग में प्रयुक्त हुई 315 बोर की बंदूक वरामद की गयी। ज्ञात हो कि दिनांक 05.04.2020 को ग्राम सुपावली थाना बिजौली क्षेत्र में बदमाष का पारिवारिक झगडा हुआ था जिसमें बदमाष फायरिंग कर फरार हो गया था जिसके खिलाफथाना बिजोली मे प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था।

सराहनीय भूमिका:- उक्त फारी बदमाष को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी बिजोली निरी. वीर सिंह ठाकुर उनि. सुरजीत सिंह परमार सउनि. लखन सिंह आर. जसवीर, रूस्तम, होतमकी सराहनीय भूमिका रही।

गाना गाकर लोगों को ग्वालियर पुलिस कोरोना वायरस के प्रति कर रही है जागरूक

ग्वालियर। कोरोना वायरस महामारी की गंभीरता कोले कर लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नवनीत भसीन के निर्देशानुसार ग्वालियर पुलिस द्वारा लोगों को अलग-अलग तरीकों से जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रममें आज दिनांक 07.04.2020 को लॉकडाउन के दौरान ग्वालियरपुलिस द्वारा कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के तहत पुलिस के जवानों ने कोराना हेलमेट पहन कर डीबीसिटी में अभियान चलाया। इस दौरानमोटीवेशनल स्पीकर श्री संजय धूपड़एवं सूबेदार श्री हिमांशुतिवारी द्वारा कोराना वायरस के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये गाना गाया। जिसे डीबीसिटी के रहवासियों द्वारा काफी सराहागया एवं डीबीसिटी के लोगों द्वारा इस दौरान अपनी-अपनी बालकनी में खड़े होकर पुलिस जवानों की तालीब जाकर हौसला अफ्जाई की। ग्वालियर पुलिस लोगों को कोरोना वायरस के प्रतिजागरूक करने के लिये निरन्तर नये-नयेप्रयास कर रही है।आज हजीरा चौराहे पर संत कृपाल सिंह जी द्वारा ड्यूटी के दौरान गर्म पानी पीने के लिये पुलिसकर्मियों को गर्म पानी की 200 बोतल बांटी गई। संतकृपाल सिंह जी द्वारा कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये ग्वालियर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता अभियान की तारीफकी साथ ही उन्होने कहा कि इस लड़ाई में पुलिस को उनके सहयोग की आवश्यकता होती है तो वह सदैव तैयार हैं। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा श्रीर विभदौरिया एवं क्राईम ब्रांच थाना प्रभारी श्री दामोदर गुप्ता हजीरा थाना प्रभारी श्री आलोक परिहार एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पेंशनरों के खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर किये 562 करोड़

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय से विभिन्न पेंशन योजनाओं की दो माह की 562 करोड़ रुपए की राशि पेंशनरों के खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर की। इससे 46 लाख 86 हजार 173 पेंशनर्स लाभान्वित हुए। सीनियर टेक्निकल डायरेक्टर एन.आई.सी. श्री सुनील जैन, संचालक जनसम्पर्क श्री ओ.पी. श्रीवास्तव आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कुल राशि 562 करोड़ में से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना की 15 लाख 69 हज़ार 627 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना की 5 लाख 36 हज़ार 412 रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना की 99 हज़ार 924, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना की 57 हज़ार 790, मानसिक बहु-निशक्तजनों को आर्थिक सहायता की 75 हज़ार 514 तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन की 23 लाख 46 हज़ार 906 रुपये की राशि पेंशनरों के खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर की।

वाणिज्यिक कर निरीक्षक निलंबित

ग्वालियर। कोरोना महामारी से निपटने हेतु वाणिज्यिक कर निरीक्षक श्री पवन दोहरे की ड्यूटी लगाई गई थी। लेकिन निरीक्षण के दौरान ड्यूटी स्थल पर अनुपस्थिति पाए जाने पर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में श्री दोहरे का मुख्यालय उप जिला निर्वाचन अधिकारी सामान्य निर्वाचन कलेक्ट्रेट ग्वालियर रहेगा। कोरोना महामारी पर प्रभावी अंकुश नियंत्रण, बचाव एवं उपचार के संबंध में वाणिज्यिक कर निरीक्षक श्री पवन दोहरे की बेला की बावड़ी, चौधरी का ढ़ाबा ग्वालियर पर प्रात:7 बजे से दोपहर 3 बजे तक ड्यूटी थी।

कलेक्टर गाइडलाइन में किसी भी प्रकार वृद्धि न की जाए : चेम्बर

ग्वालियर। कोविद-19 के कारण भारत ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में इस महामारी के चलते हाहाकार मचा है। ग्वालियर जिले के रियल एस्टेट कारोबार पर भी इस महामारी के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, यह ज्ञात नहीं है कि यह स्थिति कब सामान्य होगी। इसे बेहतर होने में 6 से 12 माह लग सकते हैं जबकि सामान्य होने में कई साल लगेंगे। इस कारण ग्वालियर जिले की प्रस्तावित कलेक्टर गाइडलाइन को वापिस लिए जाने हेतु म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्डइण्डस्ट्री द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री-श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रमुख सचिव-वाणिज्यिक कर विभाग एवं जिलाधीश ग्वालियर को पत्र प्रेषित किया गया है।

चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि कलेक्टर गाइडलाइन में प्रदेश सरकार द्वारा गत वर्ष 20 प्रतिशत की कमी की गई थी और यह वायदा किया था कि आगामी तीन वर्ष तक कलेक्टर गाइडलाइन में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जायेगी। जबकि जिला मूल्यांकन समिति द्वारा नई लोकेशन के बहाने कलेक्टर गाइडलाइन में बेतहाशा वृद्धि कर, नवीन रेट तय किये गये थे। जिला मूल्यांकन समिति द्वारा 73 नई लोकेशन पर रेट तय कर, आपत्ति एवं सुझाव 20 मार्च तक मांगे गये थे, जिस पर म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा रियल एस्टेट सेक्टर कारोबारियों के साथ बैठक कर, जिला मूल्यांकन समिति के नवीन प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर, अपने सुझाव एवं आपत्तियां प्रेषित की थीं। चेम्बर ने पत्र में उल्लेख किया है कि कोविद-19 के कारण भारत में 22 मार्च से 14 अप्रैल तक लॉकडाउन घोषित किया गया है और इस महामारी के चलते रियल एस्टेट कारोबार सहित सभी प्रकार के कारोबार एवं औद्योगिक गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं और इस महामारी से उबरने में काफी समय लगने की पूर्ण संभावना है। चेम्बर ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि प्रदेश सरकार द्वारा आगामी तीन वर्ष तक कलेक्टर गाइडलाइन में किसी भी प्रकार की वृद्धि न किये जाने के वायदे को पूर्ण करते हुए ग्वालियर जिले की प्रस्तावित नवीन कलेक्टर गाइडलाइन को वापिस लेते हुए किसी भी प्रकार की वृद्धि न की जाए ताकि रियल एस्टेट कारोबार को बचाया जा सके।

मुख्यमंत्री राहत कोष में वेतन से सीधे धनराशि जमा करवा सकते हैं शासकीय अधिकारी-कर्मचारी

ग्वालियर। कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए बड़ी संख्या में लोग आगे आकर मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान कर रहे हैं। शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी योगदान दे रहें हैं। इस संबंध में शासन द्वारा शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन जनरेट करते समय वांछित धनराशि की कटौती करने की सुविधा आहरण अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई हैं। कोई भी अधिकारी-कर्मचारी अपने आहरण अधिकारी से संपर्क कर अपनी स्वेच्छा के अनुसार राशि राहत कोष में दान करने के लिए कटवाने की सहमति दे सकते हैं।

असहाय निर्धन मजदूरों को झोपड़ी में जाकर दिया भोजन

ग्वालियर। नगर में 13 वे दिन भी समाजसेवी युवाओं ने गली मोहल्ला सड़क किनारे बसे झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले निर्धन असहाय मजदूर परिवारों को झोपड़ियों में पहुंचकर उन्हें भोजन वितरित किया भोजन वितरित करने वाले समाजसेवियों में राहुल भदोरिया (अकलोनी) कौशलेंद्र सिंह तोमर आदित्य सिंह भदोरिया और उनकी टीम ने भगत सिंह नगर झुग्गी झोपड़ी आदि स्थानों पर भोजन वितरित कर असहयोग को की मदद की।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478